J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.12.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University organizes a workshop on "Discrimination against Women"

DEEPTI ARORA
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: The Internal Complaints Committee of Women Cell of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad organized a workshop on "Discrimination against Women". Prof. Renu Chugh from the Department of Mathematics of Maharishi Dayanand University, Rohtak was the invited guest speaker in the workshop. The session was presided over by Registrar Dr. S.K. Garg. The workshop was coordinated by Prof. Neetu Gupta, Chairperson of the Women Cell, and Dr. Anuradha Sharma, member of the Cell. The objective of the workshop was to discuss and address the critical issues related to discrimination against women and how to generate a Gender-Neutral Environment and it helped the participants to become aware of and sensitive to gender in their lives or workplaces. The workshop started with a welcome address by Prof. Neetu Gupta followed by a presidential address by Registrar Dr. S.K. Garg who shared his opinion on the discrimination against women. Referring to the rich Indian culture, he said that women have been worshiped as goddesses in Indian society. The status of women used to be supreme but in between due to some reasons it deteriorated and then all these issues happened.

THE STATUS OF WOMEN USED TO BE SUPREME BUT IN BETWEEN DUE TO SOME REASONS IT DETERIORATED AND THEN ALL THESE ISSUES HAPPENED. HE STRESSED THE NEED TO UNDERSTAND GENDER-SPECIFIC SENSITIVITIES AS IT HELPS US TO EXAMINE OUR PERSONAL ATTITUDES AND BELIEFS.

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.12.2022

AAJ SAMAJ

समाज में महिला सुरक्षा और लैंगिक संवेदनशीलता की जरूरत: प्रो. रेणु चुघ

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के महिला प्रकोष्ठ की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा महिलाओं के खिलाफ भेदभाव विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के गणित विभाग की प्रो. रेणु चुघ कार्यशाला में आमंत्रित अतिथि वक्ता रहीं। कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं के प्रति भेदभाव से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों तथा इस बात पर चर्चा करना था किएक लैंगिक-तटस्थता कैसे उत्पन्न की जाये ताकि महिलाओं के जीवन एवं कार्यस्थल पर लैंगिक जागरूकता तथा संवेदनशील वातावरण बनने में मदद

रेणु चुघ के साथ समूह चित्र में महिला प्रकोष्ठ के सदस्य व विद्यार्थी।

मिले। कार्यशाला की शुरूआत प्रो. नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने विषय पर अपने विचार साझा किए।

उन्होंने समृद्ध भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता रहा है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति सर्वोच्च रही है लेकिन किन्हीं कारणों से इसमें गिरावट आई और इस तरह के मुद्दे उत्पन्न हो गए। उन्होंने यह भी कहा कि पुरुषों और महिलाओं को एक ऐसी संस्कृति बनानी चाहिए जो अब कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को बर्दाश्त न करें। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. रेणु चुघ ने वास्तविक जीवन के उदाहरण देकर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव की व्याख्या की और फिर इस मुद्दे के कारणों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता होने पर ही समाज सही अर्थों में प्रगति कर सकता है। समाज में महिला सुरक्षा और लैंगिक संवेदनशीलता की जरूरत है, तभी महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न और हिंसा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी कानून तब तक इसे नियंत्रित नहीं कर सकता है जब तक पुरुषों की मानसिकता सामान्य रूप से नहीं बदलेगी। साथ ही, कोई भी कानून तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि महिलाओं की बुनियादी मानवीय गरिमा को महिलाओं द्वारा मान्यता और सम्मान नहीं दिया जाता। उन्होंने लैंगिक समानता और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर भारत के संविधान और भारतीय कानूनों के प्रावधानों के बारे में भी बताया।

NEWS CLIPPING:10.12.2022

PUNJAB KESARI

फिल्मों के माध्यम से सकारात्मकता दर्शकों तक पहुंचाने की आवश्यकता : हरिओम

मीडिया विभाग द्वारा 'लेट्स मेक ए फ़िल्म' विषय पर कार्यशाला आयोजित

फरीदाबाद, 9 दिसम्बर (महावीर गोयल): जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया तकनीक विभाग द्वारा 'लेट्स मेक ए फ़िल्म' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि इस फ़िल्म निर्माण कार्यशाला में फिल्म निर्देशक, अभिनेता तथा फ़िल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक ने विशेषज्ञ के रूप में मीडिया विभाग के छात्रों से रूबरू हुए।

छात्रों ने फ़िल्म निर्माण पर चर्चा करते हुए हरिओम कौशिक ने कहा कि फ़िल्मों का उद्देश्य समाज को जोड़ना और समाज में प्रेम-सौहार्द बढ़ाना होता है। लेकिन, दुर्भाग्य से भारत में पिछले कई दशकों से ऐसी फिल्में बन रही है जो तथाकथित सच्चाई दिखाने के नाम पर नकारात्मकता का प्रसार कर रही है एवं समाज में कटुता, विद्वेष, घृणा, लोभ एवं ईर्ष्या आदि के भाव का महिमामंडन कर रही है। ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि सिनेमा के माध्यम से देश और समाज हित में सही विमर्श जन-जन तक पहुँचे। उन्होंने छात्रों को शब्दों को जोडक़र एक सकारात्मक कहानी के लेखन पर अभ्यास करवाया। कार्यशाला में उन्होंने थ्री शॉट तथा टेन शॉट एक्सरसाइज भी छात्रों की करवायी।

हरिओम ने आगे बताया कि कैसे क्षेत्रीय सिनेमा कहानी के आधार पर बॉलीवुड को चैलेंज कर रहा। अब लोग फ़िल्मों में नयी कहानी का नया तरीक़ा ढूँढते है। इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डीन डॉ. अतुल मिश्रा, विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र राज भाटिया तथा मीडिया विभाग के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

हरियाणा फिल्म महोत्सव-2023 के पोस्टर का विमोचन करते अतिथिगण।

हरियाणा फिल्म महोत्सव के पोस्टर का हुआ विमोचन: इस कार्यशाला में जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस. के. गर्ग, फ़िल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक, फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डीन डॉ. अतुल मिश्रा, मीडिया विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र राज भाटिया तथा मीडिया विभाग के प्राध्यापकों ने फरवरी 2023 में होने वाले हरियाणा फ़िल्म महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया

। इस अवसर पर कुलसचिव एस. के. गर्ग ने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि फिल्म निर्माण आज केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं है और हरियाणा फिल्म फेस्टिवल जैसी पहल न केवल हरियाणा के युवाओं को सशक्त बनाती है बल्कि राष्ट्र की ओर एक शानदार कदम है। ऐसे फ़िल्म महोत्सव में युवा फ़िल्मकारों को बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

NEWS CLIPPING:10.12.2022

PIONEER

महिलाओं के प्रति भेदभाव पर कार्यशाला का आयोजन

समाज में महिला सुरक्षा और लैंगिक संवेदनशीलता की जरूरतः प्रो. रेणु चुघ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विश्व विद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेने के बाद ग्रुप फोटो खिंचवाते टीचर।

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के महिला प्रकोष्ठ की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा महिलाओं के खिलाफ भेदभाव विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के गणित विभाग की प्रो. रेणु चुघ कार्यशाला में आमंत्रित अतिथि वक्ता रहीं। सत्र की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने की। कार्यशाला का संचालन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा प्रो. नीतू गुप्ता एवं प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ. अनुराधा शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं के प्रति भेदभाव से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों तथा इस बात पर चर्चा करना था किएक लैंगिक-तटस्थता कैसे उत्पन्न की जाये ताकि महिलाओं के जीवन एवं कार्यस्थल पर लैंगिक जागरूकता तथा संवेदनशील वातावरण बनने में मदद मिले। कार्यशाला की शुरुआत प्रो. नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने समृद्ध भारतीय संस्कृति का उल लेख करते हुए कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता रहा है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति सर्वोच्च रही है लेकिन किन्हीं कारणों से इसमें गिरावट आई और इस तरह के मुद्दे उत्पन्न हो गये। उन्होंने लिंग-विशिष्ट संवेदनशीलता को समझने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि यह हमें अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण और विश्वासों की जांच करने में मदद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरुषों और महिलाओं को एक ऐसी संस्कृति बनानी चाहिए जो अब कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को बर्दाश्त न करें। उन्होंने महिला सुरक्षा पर विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए नियमित अंतराल पर ऐसी कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिए महिला प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. रेणु चुघ ने वास्तविक जीवन के उदाहरण देकर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव की व्याख्या की।

NEWS CLIPPING:10.12.2022

HADOTI ADHIKAR

समाज में महिला सुरक्षा व लैंगिक संवेदनशीलता की जरूरत : प्रो. रेणु

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में महिलाओं के प्रति भेदभाव विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 9 दिसम्बर। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के महिला प्रकोष्ठ की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा महिलाओं के खिलाफ भेदभाव विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के गणित विभाग की प्रो. रेणु चुघ कार्यशाला में आमंत्रित अतिथि वक्ता रहीं। सत्र की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने की।

कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं के प्रति भेदभाव से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों तथा इस बात पर चर्चा करना था किएक लैंगिक-तटस्थता कैसे उत्पन्न की जाये ताकि महिलाओं के जीवन एवं कार्यस्थल पर लैंगिक जागरूकता तथा संवेदनशील वातावरण बनने में मदद मिले।

कार्यशाला की शुरुआत प्रो. नीतू गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने समृद्ध भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता रहा है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति सर्वोच्च रही है लेकिन किन्हीं कारणों से इसमें गिरावट आई और इस तरह के मुद्दे उत्पन्न हो गये। उन्होंने लिंग-विशिष्ट संवेदनशीलता को समझने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि यह हमें अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण और विश्वासों की जांच करने में मदद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरुषों और महिलाओं को एक ऐसी संस्कृति बनानी चाहिए जो अब कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को बर्दाश्त न करें। उन्होंने महिला सुरक्षा पर विभिन्न अधिनियमों के प्रावधानों के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए नियमित अंतराल पर ऐसी कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिए महिला प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की।

सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. रेणु चुघ ने वास्तविक जीवन के उदाहरण देकर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव की व्याख्या की और फिर इस मुद्दे के कारणों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लैंगिक समानता होने पर ही समाज सही अर्थों में प्रगति कर सकता है। समाज में महिला सुरक्षा और लैंगिक संवेदनशीलता की जरूरत है, तभी महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न और हिंसा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी कानून तब तक इसे नियंत्रित नहीं कर सकता है जब तक पुरुषों की मानसिकता सामान्य रूप से नहीं बदलेगी।

NEWS CLIPPING:10.12.2022

HINDUSTAN

फिल्मों से सकारात्मकता का प्रसार हो

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया तकनीक विभाग द्वारा लेट्स मेक ए फिल्म विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने कहा कि इस फिल्म निर्माण कार्यशाला में फिल्म निर्देशक, अभिनेता तथा फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक ने विशेषज्ञ के रूप में मीडिया विभाग के छात्रों से रूबरू हुए। छात्रों से फिल्म निर्माण पर चर्चा करते हुए हरिओम कौशिक ने कहा कि फिल्मों का उद्देश्य समाज को जोड़ना और समाज में प्रेम-सौहार्द्र बढ़ाना होता है। लेकिन, दुर्भाग्य से भारत में पिछले कई दशकों से ऐसी फिल्में बन रही है जो तथाकथित सच्चाई दिखाने के नाम पर नकारात्मकता का प्रसार कर रही हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि सिनेमा के माध्यम से देश और समाज हित में सही विमर्श जन-जन तक पहुंचे। उन्होंने छात्रों को शब्दों को जोड़कर एक सकारात्मक कहानी के लेखन पर अभ्यास करवाया।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी में मीडिया विभाग द्वारा हरियाणा फिल्म महोत्सव के पोस्टर का विमोचन हुआ। • हिन्दुस्तान

पोस्टर का हुआ विमोचनः कार्यशाला में जे. सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव एसके गर्ग, फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम कौशिक, डॉ. अतुल मिश्रा, डॉ. पवन सिंह और राज भाटिया आदि ने फरवरी 2023 में होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.12.2022

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में सुरक्षित यातायात की शपथ लेने का दृश्य • सौ.पीआरओ

NEWS CLIPPING:10.12.2022

AMAR UJALA

सौहार्द बढ़ाना फिल्मों का उद्देश्य : हरिओम

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि) के मीडिया एवं संचार विभाग की ओर से 'लेट्स मेक ए' फिल्म विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें फिल्म निर्देशक, अभिनेता और फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य हरिओम् कौशिक विशेषज्ञ के रूप में मीडिया विभाग के छात्रों से रूबरू हुए।

इस मौके पर कौशिक ने कहा कि समाज को जोड़ना और समाज में प्रेम-सौहार्द बढ़ाना फिल्मों का उद्देश्य होना चाहिए। इस दौरान छात्रों को शब्दों को जोड़कर एक सकारात्मक कहानी लिखने का अभ्यास करना चाहिए। हरिओम ने आगे बताया कि कैसे क्षेत्रीय सिनेमा कहानी के आधार पर बॉलीवुड को चैलेंज कर रहा है। अब लोग नए तरीके की कहानी ढूंढ रहे हैं। इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डीन डॉ. अतुल मिश्रा, विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र राज भाटिया और मीडिया विभाग के प्राध्यापक उपस्थित रहे। कुलसचिव एसके गर्ग, डॉ. अतुल मिश्रा, डॉ. पवन सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र राज भाटिया ने फरवरी 2023 में होने वाले हरियाणा फिल्म महोत्सव के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलसचिव एसके गर्ग ने कहा कि अब फिल्म निर्माण केवल मुंबई महानगर में ही सिमटा नहीं है।